राजेंद्र सेतु के समानांतर छह लेन का पुल तैयार, 22 को मोदी करेंगे उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 अगस्त को उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार को जोड़ने वाले गंगा नदी पर मोकामा के औंटा घाट और बेगूसराय के सिमरिया के बीच बने नए पुल का उद्घाटन करेंगे। इस सिक्स लेन पुल की कुल लंबाई 8.150 किमी है। जबकि गंगा नदी पर इसकी लंबाई 1.865 किमी है। इसके निर्माण पर 1871 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। प्रधानमंत्री उसी दिन बख्तियारपुर से मोकामा के बीच बनी नई चार लेन सड़क का भी उद्घाटन करेंगे।

राजेंद्र पुल के समानांतर बने इस पुल पर फिलहाल एक लेन से वाहनों का आना-जाना जारी है। जबकि दूसरे लेन का काम भी अब पूरा हो चुका है। इस पुल के पूरी तरह चालू हो जाने से उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों की दूरी दक्षिण बिहार से काफी कम हो जाएगी। नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2015 में बिहार के लिए विशेष पैकेज के तहत इस पुल के निर्माण की घोषणा की थी। 2017 में मोकामा में उन्होंने इसकी आधारशिला भी रखी थी। पथ निर्माण विभाग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि बख्तियारपुर से मोकामा के बीच बनी नई चार लेन सड़क की कुल लंबाई 44.60 किमी है। इसके निर्माण पर 1899 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

जाम की समस्या से निजात : राजेंद्र पुल पर जाम की समस्या लोग वर्षों से झेलते आ रहे हैं। अब यह समस्या समाप्त हो जाएगी। पूर्णिया-भागलपुर समेत अन्य जिलों के लोगों को पटना जाने में अब यहां भारी ट्रैफिक जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह पुल पूर्वोत्तर के राज्यों को भी देश के अन्य राज्यों से जोड़ेगा।

बख्तियारपुर से मोकामा के बीच बनी नई चार लेन की सड़क का लोकार्पण भी करेंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

66 साल पहले पंडित नेहरू और डा. श्रीकृष्ण सिंह ने किया था मोकामा में बने पहले पुल का उद्घाटन

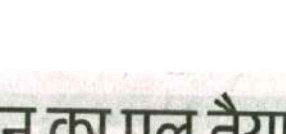

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहा था पुल

अभी राजेंद्र पुल पर आवागमन के लिए वन-वे का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पर भारी वाहनों की इंट्री बंद है। राजेन्द्र सेतु (सड़क-सह-रेल पुल) का शिलान्यास देश के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद वर्ष 1956 में किया था। इसका उद्घाटन देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु और बिहार के पहले मुख्यमंत्री डा. श्रीकृष्ण सिंह ने वर्ष 1959 में किया था। यातायात में हुई वृद्धि के कारण राजेन्द्र सेतु यातायात की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं रहा।